लघुशोध-सारांश

विषय- हिंदी मिश्र क्रियाओं का अंग्रेजी एकल क्रिया आधारित अभिज्ञानक

हिंदी भाषा की अपनी एक वाक्यगत व्यवस्था है जो भाषा सापेक्ष है। भाषा सापेक्ष से तात्पर्य है कि हर भाषा अपने ढंग से शब्दों को क्रम में रखती है। हिंदी में जहाँ इस वाक्यगत व्यवस्था का कर्ता, कर्म और क्रिया के रूप में निर्वाह किया जाता है, वहीं अंग्रेजी में यह वाक्यगत व्यवस्था कर्ता, क्रिया और कर्म के रूप में परिलक्षित होती है। परंतु किसी भी भाषा के आधारभूत वाक्य साँचों के निर्धारण में विशेष रूप से क्रिया ही वाक्य में आने वाले उद्देश्य (कर्ता,कर्म) एवं विधेय को नियंत्रित करती है। इस दृष्टि से यह कहा जा सकता है कि किसी भाषा विशेष में वाक्य व्यवस्था को व्यवस्थित करने में क्रिया ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हिंदी में मिश्र क्रिया की रचना दो घटकों : प्रथम - 'संज्ञा या विशेषण अथवा क्रियांगी शब्द' एवं द्वितीय- 'क्रियाकर' के योग से होती है, जैसे इंतजार करना (to wait), तारीफ करना (to admire), प्रवेश करना (to entre), स्पष्ट करना (to clear), शादी करना (to marraige), प्यार करना(to love), आदि मिश्र क्रियाएँ हैं।

इस प्रणाली के विकास के लिए नियम आधारित उपागम का प्रयोग किया गया है जिसकी प्रणाली विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। जैसे– डाटा निर्माण, कलन विधि, फ्लोचार्ट से होते हुए फॉर्म डिज़ाइन तथा कोडिंग तक की प्रकिया है जिसके लिये 'ए.एस.पी.डॉटनेट' प्रोग्रामिंग भाषा का प्रयोग किया गया है। इस विश्लेषक का मुख्य कार्य वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का विश्लेषण करके मिश्र क्रियाओं का अंग्रेजी एकल क्रिया की सूचना प्रदान करना है।

इस शोध कार्य को चार अध्यायों में विभाजित किया गया है जिससे इसे शोध कार्य को अधिक व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जा सके। प्रस्तुत लघुशोध कार्य के विभिन्न अध्यायों का संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा है।

प्रथम अध्याय में 'क्रिया परिचय' का विवरण है। इस अध्याय में 'क्रिया की परिभाषा' पर प्रकाश डाला गया है, जो विभिन्न विद्वानों द्वारा भिन्न-भिन्न प्रकार से दी गयी है। तथा इसके साथ 'क्रिया के प्रकार' पर प्रकाश डाला गया है। रचना के आधार पर तथा कर्म के आधार पर क्रियाओं को कुछ विद्वानों द्वारा विभिन्न प्रकार से परिभाषित एवं वर्गीकृत किया गया है जो इस अध्याय मे दिया गया है

क्रिया के वर्गीकरण से ही हिन्दी के मिश्र क्रिया की प्राप्ति हुई है इस मिश्र क्रियाओं का एकल अंग्रेजी शब्द प्राप्त करना जो इस लघुशोध कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही साथ सरल क्रिया, संयुक्त क्रिया, यौगिक क्रिया, का संक्षिप्त परिचय इस अध्याय में दिया गया है और इसी क्रम में 'क्रिया और क्रिया पदबंध' को भी आवश्यकतानुसार वर्गीकृत कर विस्तृत रूप से काल, वृत्ति, पक्ष, अकर्तृ वाच्य, पर भी विवरण दिया गया है।

द्वितीय अध्याय द्वितीय अध्याय 'हिंदी में मिश्र क्रिया: स्वरूप एवं संरचना' को परिभाषित किया गया है। वाक्यात्मक महत्व की दृष्टि से मिश्र क्रियाओं के प्रकार को परिभाषित करते हुए दो भागों की चर्चा की गयी है। प्रकार्यात्मक मिश्र क्रिया को परिभाषित करते हुए तीन भागों (परसर्गीय स्थिति, कर्मधर्मी स्थिति, कर्ताधर्मी स्थिति)में बाँटा गया है। अप्रकार्यात्मक मिश्र क्रियाओं को (संज्ञा+क्रियाकर, विशेषण+क्रियाकर,क्रियांगी+क्रियाकर) धातु हिंदी मिश्र क्रियाओं के रूप में प्रयुक्त कर व्याख्या उदाहरण सहित इस अध्याय में की गई है। इसके साथ मिश्र क्रियाओं की संरचना पर भी प्रकाश डाला गया है। जिसमें क्रियाकरों और क्रियांगी से मिलकर बनने वाले शब्दों को संज्ञा,विशेषण, परसर्ग के साथ प्रयोगों को उदाहरण के साथ दिखाया गया है।

तृतीय अध्याय में हिंदी मिश्र क्रिया और अंग्रेजी एकल क्रिया पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी है। जिसमें हिंदी मिश्र क्रियाओं का विभिन्न टेबल (द्विशब्दीय मिश्र क्रिया, त्रिशब्दीय मिश्र क्रिया) के रूप में मिश्र क्रियाओं की प्रथम घटक की कोटि,तथा उसकी अंग्रेजी को व्यवस्थित किया गया है। इसके साथ ही प्रत्यय+ई+क्रियाकर, विशेषण+ई+क्रियाकर, क्रियाकर+लेना, क्रियाकर+देना से प्राप्त मिश्र क्रिया को दिया गया है। तथा अंग्रेजी शब्दों से बनी मिश्र क्रियाओं को भी इस अध्याय में उदाहरण सहित प्रयोग किया गया है।

चतुर्थ अध्याय में डाटाबेस का निर्माण, टेबल बनाने तथा उसमें डाटा प्रविष्ट की विधि को विस्तृत रूप में दिया गया है।इसके साथ ही इस प्रणाली के विकास में प्रयुक्त टेबलों को दर्शाया गया है। इस प्रोग्राम को आसानी से समझने के लिए प्रणाली एल्गोरिद्म और फ्लोचार्ट को दिया गया है। प्रणाली का अंतरापृष्ठ निर्माण को दिखाया गया है। हिंदी मिश्र क्रियाओं का अंग्रेजी एकल क्रिया आधारित अभिज्ञानक की कोडिंग को क्रमागत रूप से दिखाया गया है।

अतः प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध का निष्कर्ष इस प्रकार है- शोध में कुछ ऐसे क्रियांगी शब्द प्राप्त हुए (मूल क्रिया) जिनके साथ 'ई' प्रत्यय लगा कर क्रियाकरों के साथ मिश्र क्रिया के रूप में प्रयोग किया गया है और जिनका एकल अंग्रेजी शब्द भी होता है। जैसे- छपाई करना (to print),कटाई करना (to harvest), आदि। इसी क्रम में कुछ ऐसी मिश्र क्रियाएँ प्राप्त हुईं जो 'विशेषण+ई+क्रियाकर' से मिलकर बनी हैं। जिनको अलग एक सारणी में जगह दिया गया। जो एक दूसरे से भिन्न है। जैसे- चतुराई करना (to

maneuvered), बुराई करना (Backbiting), सफाई करना (to cleaning) आदि। कुछ मिश्र क्रियाओं का मुहावरों के रूप में भी प्रयोग होता है। इसमें क्रियांगी शब्दों की संख्या दो या ज्यादा हो सकती है लेकिन उनका अंग्रेजी शब्द एक ही होता है। जैसे- नौ दो ग्यारह होना (to scap), हाथ साफ करना (to steel), इत्यादि। इसके अलावा कुछ मिश्र क्रियाएं 'लेना', 'देना' क्रियाकरो से मिलकर भी बनती हैं। कुछ ऐसी क्रियाओं को भी जो इस शोध कार्य में लिया गया है और एकल अंग्रेजी शब्द के तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया है। जैसे – मांग लेना (to beg), आर्शिवाद देना (to bless), आदि।

अतः हिंदी मिश्र क्रिया का अंग्रेजी एकल शब्द का लघुशोध एक प्रयास मात्र है, इसके अंतर्गत मुहावरों, द्विशब्दीय, त्रिशब्दीय मिश्र क्रियाओं का अंग्रंजी एकल शब्द पर विस्तृत अध्ययन किया जा सकता है।